गुजरात

अपने मध्यप्रदेश से पश्चिम दिशा में चलो तो तुम गुजरात राज्य पहुँचोगे। यह राज्य सागर के किनारे पर है। अपने प्रदेश के आसपास तो समुद्र नहीं है। क्या तुम जानना चाहते हो कि समुद्र में क्या होता है? और उसके किनारे लोग क्या करते हैं? गुजरात के इस नक्शे को देखो।

समुद्र का किनारा

क्या तुम इस नक्शे में समुद्र को पहचान पा रहे हो? अपनी उंगली समुद्र के किनारे–किनारे फेरते जाओ – कितना लंबा है? नक्शा देखकर लिखो।

समुद्र में और उसके किनारे लोग क्या–क्या कर रहे हैं?	*समुद्र के किनारे कई शहर बसे हैं– उनके नाम लिखो*
1.	1.
2.	2.
3.	3.

बंदरगाह

इन शहरों में से एक है पोरबंदर जहाँ गाँधीजी का जन्म हुआ था। समुद्र के किनारे इतने सारे शहर क्यों बसे हैं? वहाँ के लोग क्या करते होंगे? इन शहरों में बंदरगाह बने हैं। यहाँ पानी के जहाज़ आकर रुकते हैं। बन्दरगाह में क्या होता है याद करके बताओ।

नमक

समुद्र के किनारे ही एक जगह तुम्हें कुछ लोग नमक बनाते हुए दिखेंगे। क्या तुम जानते हो कि नमक समुद्र के पानी से बनाया जाता है? समुद्र का पानी बहुत खारा होता है– इसमें बहुत सारा नमक जो मिला होता है। समुद्र के पानी को सुखाने पर नमक मिलता है।

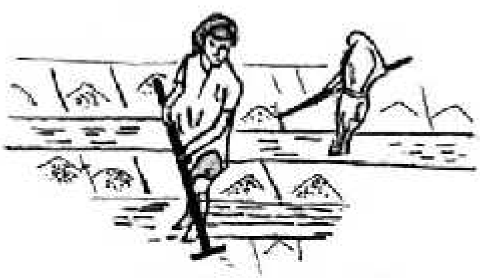

नमक की छोटी–छोटी क्यारियाँ

चित्र में देखो छोटी–छोटी क्यारियाँ बनी हैं। समुद्र से पानी लाने के लिए नहरें बनाते हैं। नहरों से समुद्र का पानी लाकर इन क्यारियों में भर देते हैं। खारा पानी सूखने के बाद तली में नमक रह जाता है। चित्र में तुम देख सकते हो सूखे हुए नमक को कैसे इकट्ठा किया जा रहा है। क्यों? समुद्र तो और जगह भी है फिर भी अपने देश में सबसे ज्यादा नमक गुजरात में ही बनाया जाता है। शायद तुम्हारे घर में भी नमक यहीं से आता होगा।

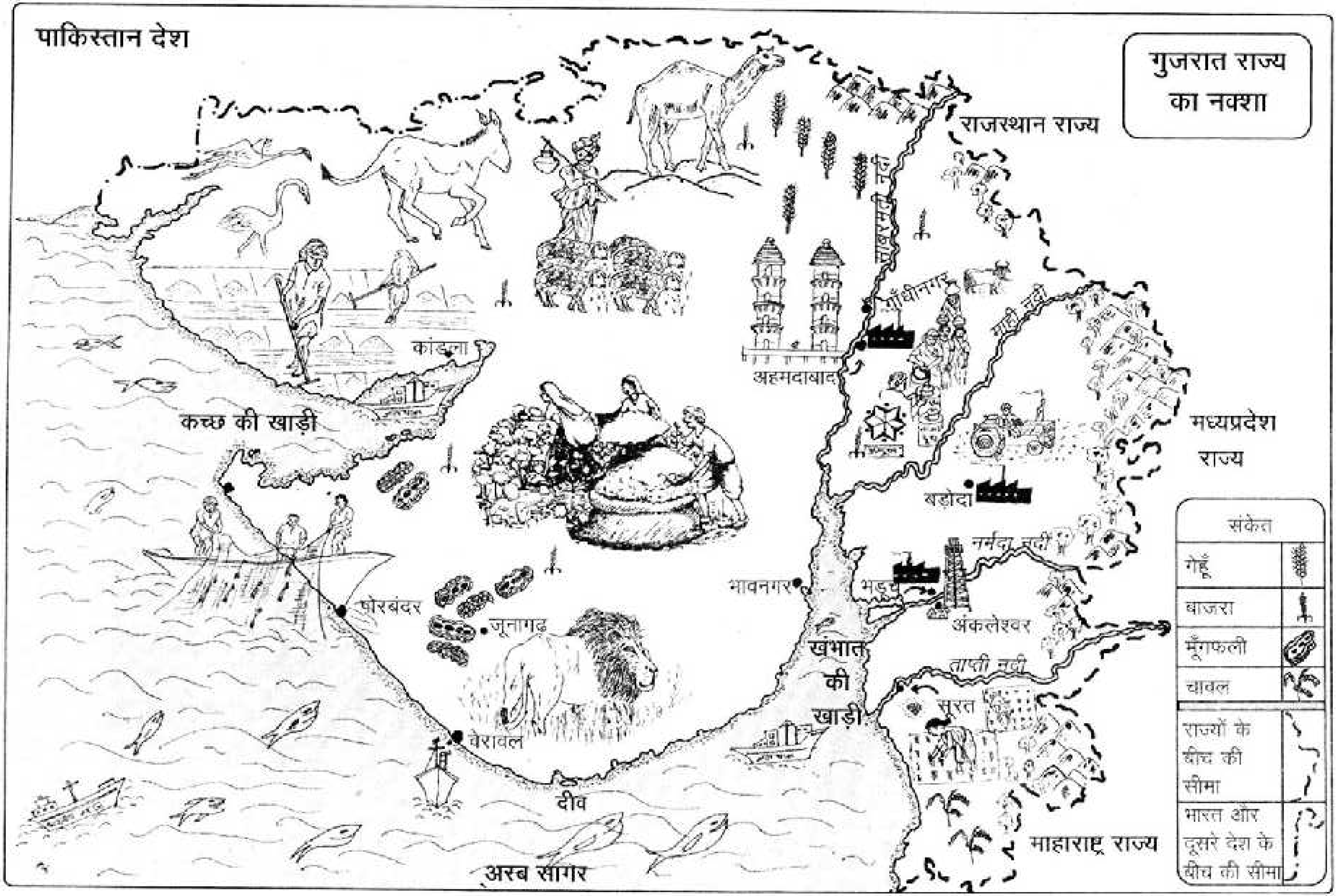
गुजरात राज्य
का नक्शा
पाकिस्तान देश
राजस्थान राज्य
मध्यप्रदेश
राज्य
महाराष्ट्र राज्य
कच्छ की खाड़ी
खंभात
की
खाड़ी
अरब सागर
कांडला
पोरबंदर
जूनागढ़
वेरावल
दीव
भावनगर
अहमदाबाद
गाँधीनगर
साबरमती नदी
माही नदी
बड़ोदा
नर्मदा नदी
भडूच
अंकलेश्वर
ताप्ती नदी
सूरत
संकेत
गेहूँ
बाजरा
मूँगफली
चावल
राज्यों के
बीच की
सीमा
भारत और
दूसरे देश के
बीच की सीमा

नक्शे को देखो। समुद्र में कौन–कौन सी नदियाँ मिल रही हैं उनकी सूची बनाओ।			
1.	2.	3.	4.

ये नदियाँ समुद्र के किस हिस्से में गिर रही हैं? नक्शे में तुम यह भी देख सकते हो कि समुद्र जगह–जगह पर ज़मीन के अन्दर आया हुआ है। ऐसे भाग को खाड़ी कहते हैं। खम्बात की खाड़ी अरब सागर का ऐसा ही एक हिस्सा है।

नक्शे में देख कर तुम एक और खाड़ी का नाम बताओ।

बारिश और फसलें

गुजरात के दक्षिणी भाग को देखो। कुछ लोग धान रोप रहे हैं। धान उगाने के लिए बहुत अधिक पानी की जरूरत होती है। धान के खेत में पानी को कई दिनों तक रोककर रखना पड़ता है। गुजरात के इस इलाके में सबसे ज्यादा बारिश होती है इसलिए धान खूब होता है। लेकिन गुजरात के बाकी हिस्सों में पानी बहुत कम बरसता है। वहाँ कम पानी में होने वाली फसलें उगाई जाती हैं।

नक्शे में देखो ये कौन–सी फसलें हैं? नक्शे में देखकर नीचे दी गई तालिका भरो

फसलें	नाम
1. खाने वाली फसलें। 2. वे फसलें जिनसे तेल मिलता है। 3. वे फसलें जिनसे कपड़ा बनता है।	

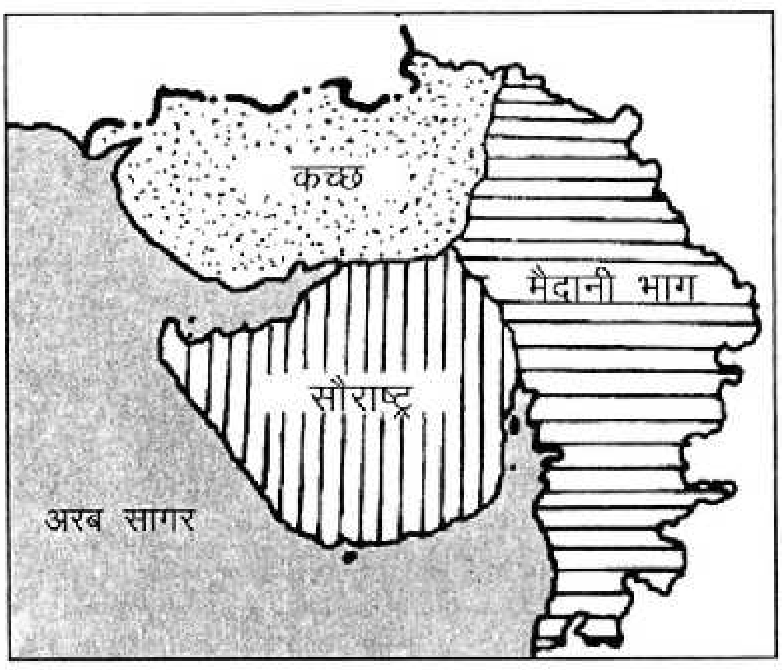

गुजरात के तीन भाग

क्या तुम जानते हो इस राज्य को गुजरात क्यों कहा जाता है? क्योंकि लगभग हजार साल पहले गुर्जर जाति के लोग यहाँ आकर बसे थे। इस क्षेत्र के ज़्यादातर लोग गुजराती भाषा बोलते हैं। इन्हीं कारणों से इसका नाम गुजरात पड़ा। गुजरात को आमतौर पर तीन भागों में बाँटा जाता है।

इन्हें दिए गए नक्शे में पहचानो।

बड़े नक्शे को देखकर कच्छ की कोई एक खास बात बताओ।
सौराष्ट्र की कोई एक खास बात बताओ।
मैदानी भाग की कोई एक खास बात बताओ।

सौराष्ट्र

बब्बर शेर

सौराष्ट्र के गिर वनों में बब्बर शेर (सिंह) देखा जा सकता है। ये पूरे देश में केवल यहीं पाये जाते हैं। सिंह कँटीली झाड़ी व घास के मैदान में रहते हैं। सिंह जब दहाड़ता है तो पूरा जंगल काँप उठता है। कक्षा में सभी बच्चे मिलकर सिंह की आवाज निकालो। उसके गर्दन के आसपास लंबे–लंबे बाल होते हैं और वह बड़ा बलशाली होता है। वह मांसाहारी होता है और अपने प्रिय भोजन, हिरण को तो वह चटखारे लेकर खाता है। रात होने पर शेर–शेरनी दोनों मिलकर शिकार करते हैं। लेकिन पहले शेर ही शिकार का स्वाद चखता है और उसके बाद ही शेरनी व बच्चे भोजन में जुटते हैं। शेर के बारे में तुमने जो कहानियाँ सुनी हो वो कक्षा में सभी को बताओ।

मैदानी भाग

नक्शे में देखकर बताओ गुजरात में कौन–कौन सी नदियाँ बह रही हैं? उनके नाम लिखो –

1. 2. 3.

यह भी देखो दो–नदियों के बीच में रहने वाले लोग क्या–क्या काम कर रहे हैं? यहाँ की मिट्टी उपजाऊ है और पानी काफी मात्रा में मिल जाता है। इसलिए खेती–बाड़ी अच्छी होती है। इन मैदानी इलाकों में बहुत से शहर व गाँव बसे हुए हैं।

नक्शे में देखो कि ये शहर कौन–कौन से हैं?

इन शहरों में बड़े–बड़े कारखाने लगे हैं।

जमीन से निकला तेल

ऐसा ही एक शहर है अंकलेश्वर जहाँ जमीन के हजारों फीट नीचे से खनिज तेल निकाला जाता है। इस खनिज तेल से डीजल, पेट्रोल व मिट्टी का तेल बनता है। सोच कर बताओ इन चीजों का क्या–क्या इस्तेमाल होता है।

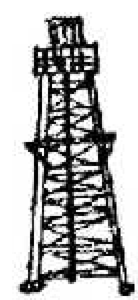

पता है धरती से खनिज तेल भी उसी तरह बाहर निकाला जाता है जिस तरह जमीन में बोरिंग कर, पानी बाहर निकाला जाता है। तेल के साथ गैस भी बाहर आती है। यह वही गैस है जो रसोई में काम आती है।

दूध

नक्शे में देखो साबरमती और माही नदी के बीच लोग क्या कर रहे हैं?

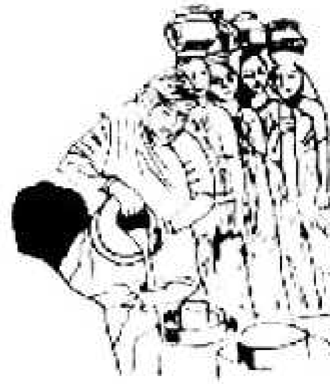

ये लोग अपनी गाय, भैंस का दूध लाकर एक जगह जमा कर रहे हैं। यह कोई साधारण दुकान नहीं है यह ग्वालों ही एक समिति है। यहाँ पर दूध के अच्छे दाम मिलते है।

अहमदाबाद की हिलती हुई मीनारें

नक्शे में देखो, साबरमती नदी के किनारे अहमदाबाद बसा है।

यह गुजरात का एक महत्त्वपूर्ण शहर है। यहाँ बहुत सारे कपड़े बनाने के उद्योग हैं और अलग–अलग डिज़ाइन से कपडा तैयार किया जाता है। सोचो कपड़ा बनाने के लिए रूई कहाँ से आती होगी?

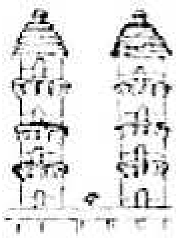

अहमदाबाद का एक और अजूबा, उसकी हिलती हुई मीनारें हैं। सिद्दी मस्जिद में बनी इन मीनारों को इस तरह से बनाया गया है कि एक मीनार को अगर जरा भी हिलाया जाए तो 40 फीट दूर दूसरी मीनार भी हिलने लगती है। हैरानी की बात तो यह है कि 600 साल पुरानी ये मीनारें हिलते वक्त नहीं गिरतीं।

नक्शे में दक्षिण गुजरात को देखो।

क्या तुम्हें कोई चमकती हुई चीज दिखाई दे रही है? यह बेशकीमती पत्थर हीरा है। सूरत शहर में हीरे को बहुत बड़े पैमाने पर तराशा जाता है। हीरा एक साधारण पत्थर की तरह पाया जाता है जिसे काटकर चमकाने को तराशना कहते हैं।

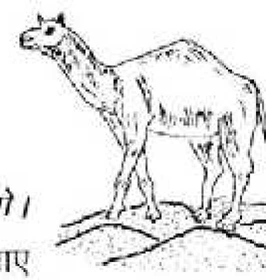

कच्छ

तुमने सौराष्ट्र और मैदानी गुजरात को देख लिया। अब नक्शे में कच्छ को देखो।

कच्छ में सबसे ज्यादा नमक बनता है। यहाँ नमकीन पानी के दलदल पाए जाते हैं। इसलिए यहाँ सबसे ज्यादा नमक बनता है। यहाँ वर्षा बहुत कम होती है। बारिश के दिनों में यहाँ घास होती है जिसे भेड़ और ऊँट आकर चरते हैं।

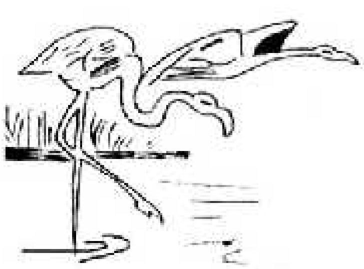

बगुले जैसे पक्षी

नक्शे में देखो ये बगुले जैसे पक्षी दिखाई दे रहे हैं।

इन्हे फ्लोमिंगो कहते हैं। लेकिन बगुले से बड़े होते हैं। फ्लेमिंगो खारे पानी के दलदलों में रहते हैं और वही अंडे देते हैं।

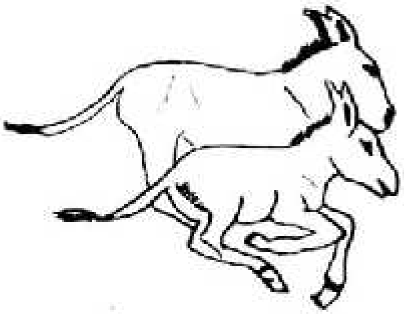

जंगली गधा

नक्शे में देखो फ्लेमिंगो के पास एक जानवर दौड़ता दिखाई दे रहा है।

यह जंगली गधा है जो पूरे देश में केवल कच्छ में ही पाया जाता है। यह आम गधे की तरह भोला–भाला दिखता है लेकिन इसके कान आम गधे के मुकाबले छोटे होते हैं। मज़ेदार बात तो यह है कि यह गधा 70–80 कि.मी. प्रति घंटे की रफ़्तार से बहुत दूर तक दौड़ सकता है।

रबाडी लोग

नक्शे में देखो, पगड़ी व फ्रॉक की तरह कपड़े पहने एक आदमी दिख रहा है।

ये रबाडी लोग है। जो कच्छ में रहते हैं। ये भेड़ पालते हैं। क्या तुमने इन्हें कभी देखा हैं? तुमने इनके बारे में किस पाठ में पढ़ा है, याद करो।

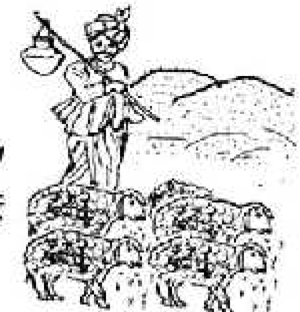

रबाडी लोग

नक्शे में देखकर नीचे दी गई तालिका भरो

गुजरात के भाग	शहर	काम	धंधे
कच्छ			
सौराष्ट्र			
मैदानी भाग			